उत्तराखण्ड–संस्कृत–विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

आचार्य–प्रथम वर्ष, साहित्यविषये प्रथम सेमेस्टर

प्रथमपत्रम्– काव्यप्रकाशः (आदितः चतुर्थ–उल्लासपर्यन्तम्) **– 80+20 अंकाः**

द्वितीयपत्रम् – रसगंगाधरः (प्रथमाननम्) **– 80+20 अंकाः**

तृतीयपत्रम्– ध्वन्यालोकः (प्रथम–द्वितीय–उद्योतौ) **– 80+20 अंकाः**

चतुर्थपत्रम्– मुद्राराक्षस (सम्पूर्णम्) **– 80+20 अंकाः**

पंचमपत्रम्–वैदिकवाङ्मयस्येतिहासः **– 80+20 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

पंचमपत्रम्–वैदिकवाङ्मयस्येतिहासः – आचार्य जगदीश चन्द्र मिश्र।

आचार्यकक्षायां साहित्यविषये द्वितीय सेमेस्टर

प्रथमपत्रम् – काव्यप्रकाशः (पंचमोल्लासात्–अष्टोल्लासपर्यन्तम्) **– 80+20 अंकाः**

द्वितीयपत्रम् – काव्यमीमांसा (1–5 अध्यायौ) **–80+20 अंका**

तृतीयपत्रम् – (क) वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम,द्वितीय परिच्छेदौ) **– 40 अंकाः**

(ख) दशरूपकम् (1–2 प्रकाश) **–40 अंकाः**

चतुर्थपत्रम्– (क) नलचम्पू (प्रथमोच्छ्वास) **–40 अंकाः**

(ख) दशकुमारचरितम् (अष्टमोच्छ्वास) **– 40 अंकाः**

पंचमपत्रम्–भारतीयदर्शनशास्त्रस्येतिहासः **– 80+20 अंकाः**

(सांख्यायोग–न्यायवैशेषिक–मीमांसावेदान्तदर्शनानि)

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

पंचमपत्रम्–भारतीयदर्शनशास्त्रस्येतिहासः – डॉ0 शशिबाला गौड़।

उत्तराखण्ड–संस्कृत–विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्
आचार्य–द्वितीय वर्ष, साहित्यविषये तृतीय सेमेस्टर

प्रथमपत्रम् – काव्यप्रकाशः (9–10 उल्लासौ) – **80+20 अंकाः**

द्वितीयपत्रम् – बुद्धचरितम् (प्रथमसर्गतः पंचम्सर्गं यावत्) – **80+20 अंकाः**

तृतीयपत्रम् – भारतीयकाव्यशास्त्रम् – **80+20 अंकाः**

(काव्यशास्त्रीय षट् सम्प्रदायाः–रस–अलंकार–ध्वनि–औचित्य–वक्रोक्ति–रीत्यादयः)

चतुर्थपत्रम् – हर्षचरितम् (प्रथम, पंचम् उच्छ्वासः) – **80+20 अंकाः**

(अथवा)

लघुशोधप्रबन्धाय–

(i) शोधप्रविधिः – **64+16 अंकाः**

(ii) पाण्डुलिपि विज्ञानम् – **16+04 अंकाः**

पंचमपत्रम्–औचित्यविचारचर्चा–आचार्य क्षेमेन्द्र – **80+20 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

तृतीयपत्रम्– संस्कृत काव्यशास्त्रस्येतिहासः – डॉ0 जगदीश चन्द्र मिश्रः।

आचार्यकक्षायां साहित्यविषये चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथमपत्रम् – ध्वन्यालोकः (3–4 उद्योतौ) **– 80+20 अंकाः**

द्वितीयपत्रम्– जानकीहरणम्–(प्रथम द्वितीय सर्गौ) **–80+20 अंकाः**

तृतीयपत्रम्– **(क)** वक्रोक्तिजीवितम् (3–4 परिच्छेद) **– 40 अंकाः**

(ख) दशरूपकम् (3–4 प्रकाश) **– 40 अंकाः**

चतुर्थपत्रम् – मालतीमाधवम् –भवभूतिकृतम् **– 80+20 अंकाः**

(अथवा)

लघुशोधनिबन्धः **–80+20 अंकाः**

पंचमपत्रम्–

वाक्परीक्षा **–100 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।